DAVIET
ENGINEERING FUTURES THROUGH INNOVATION

सत्यमेव जयते
CSTT, MHRD
Dept. of Higher Education
Govt. of India

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

एवं

डी.ए.वी. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
कबीर नगर, जालन्धर

द्वारा आयोजित

"विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली"

विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक *13-14* सितम्बर, *2017*

रिपोर्ट

डी.ए.वी. इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरी एंड टेक्नोलॉजी, जालन्धर और वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रयासों से डी.ए.वी.आई.ई.टी., जालन्धर में 13-14 सितम्बर, 2017 को 'विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में गणमान्य अतिथियों ने माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया ।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मनोज कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत फुलों के गुलदसतों के साथ किया । उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री वरिन्द्र कुमार शर्मा (उप-आयुक्त, जालन्धर) एवम् विशेष अतिथि प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी (निदेशक, एन.आई.टी., जालन्धर) उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मनोज कुमार, प्राचार्य, डी.ए.वी.आई.ई.टी, जालन्धर द्वारा की गई । मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्यों में आयोग से पधारे हुए अतिथि श्री शिव कुमार चौधरी (प्रभारी अधिकारी एवम् स. निदेशक), इंजीनियर जयसिह रावत (संगोष्ठी प्रभारी) थे । इन्हीं के साथ संगोष्ठी के स्थानक संयोजक के रूप में डॉ.

कंचन एल सिंह, सह समन्वयक डॉ. अमित शर्मा और सुश्री शिवानी विज उपस्थित रहे । संगोष्ठी में संघ प्रदेश एवम् देश के अन्य राज्यों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया ।

प्रथम व्याख्यान सत्र (प्रथम दिवस)

प्रथम व्याख्यान सत्र में दो व्याख्यान हुए जिनमें प्रथम व्याख्यान श्री एस.सी.एल. शर्मा, पूर्व सहायक निदेशक, सी.एस.टी.टी., एम.एच.आर.डी., नई दिल्ली द्वारा दिया गया । जबकि द्वितीय व्याख्यान में प्रो. एम.एम. शर्मा, कार्यकारी निदेशक, एन.आई.ई.एल.आई.टी., अजीत सिंह नगर, पंजाब ने उपरोक्त संगोष्ठी के विषय पर रोशनी डाली ।

श्री एस.सी.एल. शर्मा ने अपने व्याख्यान में शब्दावली को मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित किया, अंतराष्ट्रीय शब्दावली, अनिश्चित संकल्पनाओं वाली शब्दावली एवं विभागीय शब्दावली । उन्होंने बताया कि विभागीय शब्दावली को ठीक प्रकार से संभालना अति आवश्यक होता है अन्यथा कभी कभी बहुत बड़ी

गलतियां हो जाती है । उनके अनुसार अंग्रेजी की पुस्तकों में अनेकों शब्द हैं, जिनके हिन्दी पर्याय उनके प्रयोग के अनुसार सी.एस.टी.टी. द्वारा तैयार किए हैं, यह आयोग द्वारा प्रकाशित विभिन्न विषयों की शब्दावलियों में उपलब्ध हैं जिनको समझकर प्रयोग में लाना अति आवश्यक हैं ।

प्रो. एम.एम. शर्मा ने विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के उपयोग पर जोर डालते हुए आज के युवा वर्ग को इस विषय में योगदान डालने पर उत्साहित किया ।

द्वितीय व्याख्यान सत्र (प्रथम दिवस)

इस व्याख्यान सत्र में प्रोद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग कालेज, उदयपुर से डॉ. विक्रमादित्य दवे ने अपने विचार व्यक्त किये । उन्होंने इंजीनियरी में हिन्दी का प्रयोग विषय का चयन किया । उनके अनुसार इंजीनियरी के सभी विषय यूरोप एवं अमेरिका की देन हैं । पश्चिमी लोगों की कार्यालयी व भौक्षणिक भाषा अंग्रेजी होने के कारण तकनीकी ज्ञान का प्रसार भी अंग्रेजी में किया जाता है । परन्तु आजादी के बाद कस्बों, गावों व उपनगरों में स्थापित हुए विद्यालयों में हिन्दी भाषा में ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ । ऐसे छात्रों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में कोई दिक्कत ना हो, इसीलिये इंजीनियरी के पाठ भी ऐसे छात्रों के लिये हिन्दी में दिये जाने चाहिए ।

प्रो. दवे के व्याख्यान के उपरांत आठ प्रतिभागियों ने अपने-अपने शोध क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली को प्रयोग करते हुए शोध पत्र प्रर्दशित किए, जिनको आयोग से आए हुए एवं सभागार में उपस्थित शिक्षकों ने खूब सराहा ।

तृतीय व्याख्यान सत्र (द्वितीय दिवस)

दूसरे दिवस के प्रथम व संगोष्ठी के तृतीय व्याख्यान सत्र में दो व्याख्यान हुए, जिनको क्रमवार श्री शिव कुमार चौधरी एवं प्रो. विजय कुमार जादोन ने किया ।

श्री शिव कुमार चौधरी ने अपने व्याख्यान में बताया कि उनके आयोग में शब्दावली का निर्माण कैसे किया जाता है । यह एक वैज्ञानिक पद्धति है । पूरी प्रक्रिया के साथ, चर्चा के माध्यम से वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाता है । उनका आयोग निर्धारित मार्गदशी सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए अब तक लगभग 8.5 लाख शब्दों का निर्माण कर चुका है ।

प्रो. विजय कुमार जादोन ने यांत्रिकी अभियांत्रिकी में तकनीकी शिक्षा में शब्दावली के महत्व पर प्रतिभागियों को सम्बोधन किया । कोई भी दूसरी संचार की भाषा किसी भी मातृभाषा की विकल्प नहीं हो सकती, इसीलिए मातृभाषा के प्रसार को यथासंभव लंबे समय तक बढ़ाया जाना चाहिए ।

चतुर्थ व्याख्यान सत्र (दितीय दिवस)

द्वितीय व्याख्यान डॉ. मनोज कुमार के द्वारा कंप्यूटिंग एवं प्रौद्योगिकी में तकनीकी शब्दावली के योगदान पर दिया गया । उन्होंने वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किये गए कार्यों एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया । उन्होंने इंटरनेट ऑफ थिंग्स का विवरण देते हुए बताया कि इसका उपयोग हमारे जीवन को कैसे बहुत आसान और सुरक्षित बनाता है ।

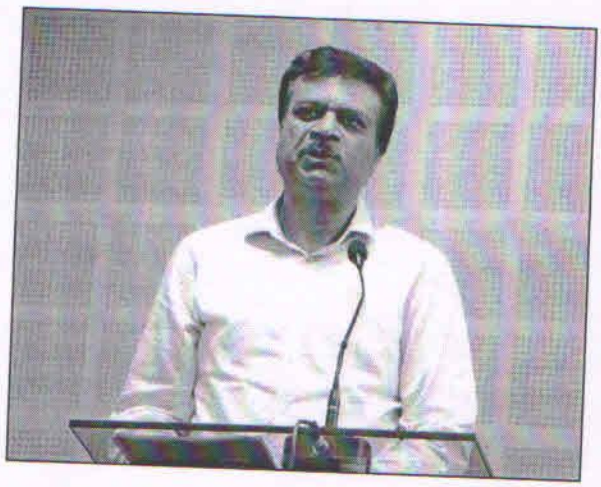

इसके उपरोक्त संगोष्ठी में आए हुए प्रतिभागियों में से सात प्रतिभागियों ने संगोष्ठी के विषय को सार्थक करते हुए अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए ।

इस सत्र के पश्चात् सभागार में उपस्थित प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने संगोष्ठी को लाभप्रद बताते हुए भविष्य में भी इसके आयोजन की इच्छा प्रकट की ।

समापन सत्र

समापन सत्र मंचासीन महानुभावों के स्वागत के साथ हुआ । संस्थान के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने अपने संभाषण में संगोष्ठी के आयोजन का अवसर प्रदान करने हेतु वैज्ञानिक व तकनीकी शब्दावली आयोग का आभार व्यक्त किया एवंम भविष्य में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की कामना प्रकट की । संस्थान के प्राचार्य के पश्चात् इस संगोष्ठी के प्रभारी इंजीनियर जय सिंह रावत ने अपने संभाषण में इस संगोष्ठी के आयोजन हेतु डी.ए.वी. प्रौद्योगिकी एंवम तकनीकी संस्थान का आभार व्यक्त किया एवंम आशा व्यक्त की कि यह संगोष्ठी तकनीकी शब्दावली का ज्ञान शिक्षकों एवंम उनके माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचने समर्थ रही होगी । उन्होंने संस्थान के प्राचार्य, संगोष्ठी के समन्वयक, सहसमन्वयक एवं अन्य आयोजन शिक्षकों को बधाईयाँ दी । इस कार्यक्रम का समापन इस संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. कंचन एल. सिंह के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

Dainik Jagran
14-09-2017

शिक्षक हिंदी का अधिक प्रयोग करें

जागरण संवाददाता, जालंधर : डेविएट में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से बुधवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन डीसी वरिंदर कुमार शर्मा, प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार, राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान के निदेशक डॉ. एलके अवस्थी ने ज्योति प्रज्वलित करके किया।

डेविएट में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर संगोष्ठी के दौरान उपस्थित गणमान्य।

निदेशक डॉ. एलके अवस्थी ने अध्यापन में हिंदी भाषा का प्रयोग करने की बात कही। उन्होंने कहा है कि हिंदी भाषा के माध्यम से अपने विचारों का प्रयोग सरल ढंग से कर सकते हैं। हिंदी भाषा का प्रसार दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हिंदी भाषा के माध्यम से दूसरे व्यक्ति के सामने आसानी से अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि पठन प्रक्रिया में हिंदी का अधिक प्रयोग करना चाहिए। वर्तमान समय में हिंदी भाषा अहम रोल अदा कर रही है। मौके पर डॉ. कंचन बाला, शिव कुमार चौधरी, जय सिंह रावत व विद्यार्थी उपस्थित थे।

Dainik Jagran
15-09-2017

'बच्चों को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाया जाना चाहिए'

जागरण संवाददाता, जालंधर : डेविएट में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से बुधवार को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एमएचआरडी के सीएसटीटी के असिस्टेंट डायरेक्टर शिव कुमार चौधरी व रिटायर्ड असिस्टेंट डायरेक्टर एससी एल शर्मा ने शिरकत की। मुख्यातिथि शिव कुमार चौधरी ने कहा कि जो बच्चे गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं, वे बीच में ही पढ़ाई छोड़ जाते हैं। पढ़ाई छोड़ने का कारण भाषा भी है। क्षेत्रीय भाषा में न पढ़ाए जाने से तीन में से दो विद्यार्थी कॉलेज व तकनीकी संस्था छोड़ जाते हैं। विद्यार्थी स्कूल से हिंदी मीडियम कर कॉलेज में दाखिला लेता है, पर उसे अंग्रेजी में पढ़ने में मुश्किल आती है। पहले वह अंग्रेजी भाषा को सीखने की कोशिश करता है।

स्टूडेंट को संबोधित करते असिस्टेंट डायरेक्टर शिव कुमार चौधरी।

मुख्यातिथि एसके चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी को क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाना चाहिए, ताकि वह आसानी से उस विषय को समझ सके। हिंदी शब्दों का प्रयोग कर विद्यार्थी को समझाना चाहिए ताकि विद्यार्थी को जल्द समझ आ सके। अंग्रेजी भाषा इलीट लोगों की मानी जाती है। प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि देश में तकनीक अपग्रेड हो रही है। वक्ता डॉ. कंचन सिंह, प्रो. विजय कुमार, प्रो. विक्रमादित्य दवे, डॉ. प्रदीप गोयल ने क्षेत्रीय भाषा में अध्यापन प्रणाली के बारे में बताया।

Punjab Kesri
14-09-2017

डेवियट में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली विषय पर सैमीनार आयोजित

जालंधर, 13 सितम्बर (तलवाड़): डी.ए.वी. इंस्टीच्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (डेवियट) में साइंस तथा प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली विषय पर 2 दिवसीय नैशनल सैमीनार का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य हिन्दी तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के उपयोग को बढ़ावा देना है। सैमीनार का शुभारम्भ मुख्यातिथि डिप्टी कमिश्नर जालंधर वरिन्द्र कुमार शर्मा ने ज्योति प्रज्वलित कर किया। उन्होंने वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली को हिन्दी तथा अन्य भाषाओं में परिवर्तित करने के लिए सी.एस.टी.टी. द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वालों जिनकी पकड़ अंग्रेजी में कमजोर है, के लिए यह कदम बेहद फायदेमंद साबित होगा।

ज्योति प्रज्वलन उपरांत डिप्टी कमिश्नर वरिन्द्र कुमार शर्मा, साथ हैं प्रि. डा. मनोज कुमार, प्रो. ललित अवस्थी, व अन्य। (छाया)

बी.आर. अम्बेदकर एन.आई.टी. के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने सभी विषयों को हिन्दी में पढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिन्दी को बढ़ावा देने से एक अलग भारतीय पहचान विकसित होगी।

डेवियट के प्रिंसीपल डा. मनोज कुमार ने कहा कि आधुनिक समय साइंस तथा टैक्नोलोजी द्वारा संचालित है। डेवियट राष्ट्रीय भाषा के प्रसार की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि विद्यार्थियों को जिम्मेदार एवं इमानदार नागरिक बनाया जा सके। एप्लाइड साइंस की विभागाध्यक्ष डा. कंचन एल. सिंह ने हिन्दी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रयास में कई चुनौतियां हैं फिर भी हम सभी को शुरूआती कदम उठाना होगा। इस मौके पर डा. सोनिया चावला, डा. सुधीर शर्मा, गौरव धूरिया, प्रवीण कक्कड़ आदि विशेष तौर पर उपस्थित थे।

CITY AIR NEWS

MHRD sponsored 2 day national seminar on scientific and technical terminology in Science and Technology at DAVIET

[illegible]

Dainik Bhaskar
14-09-2017

डेविएट में एमएचआरडी के 'कमीशन फॉर साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजी टर्मिनोलॉजी' ने करवाया सेमिनार

जो इंग्लिश में कंफर्टेबल नहीं, उनके पास अपनी भाषा में साइंस पढ़ने की ऑप्शन हो : डॉ. मनोज

डीसी वरिंदर कुमार शर्मा और एनआईटी के डायरेक्टर डॉ. बीआर अंबेडकर चीफ गेस्ट थे

प्रो. ललित अवस्थी ने बताया- चीन, जापान और कोरिया में लोग साइंस और टेक्नोलॉजी अपनी भाषा में पढ़ते हैं

[illegible]

Punjab Kesri
15-09-2017

डेवियट में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली विषय पर सैमीनार सम्पन्न

जालन्धर, 14 सितम्बर (तलवाड़): डी.ए.वी. इंस्टीच्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (डेवियट) में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली विषय पर आयोजित सैमीनार के अंतिम दिन एस.सी.एल. शर्मा, रिटायर्ड असिस्टैंट डायरैक्टर सी.एस.टी.टी., डा. विक्रमादित्य दवे, प्रो. विजय कुमार, डा. प्रदीप गोयल, डा. एम.एम. शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित हुए।

सैमीनार में उपस्थित गणमान्यों को सर्टीफिकेट देते प्रि. डा. मनोज कुमार व अन्य।

डेवियट के प्रिंसीपल डा. मनोज कुमार ने कहा कि आधुनिक समय में इंटरनैट तथा संबंधित उपकरणों पर निर्भरता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। देश को सफलता की ओर अग्रसर करने के लिए उन्होंने साइंटिफिक तथा टैक्नीकल एजुकेशन के महत्व पर प्रकाश डाला।

एप्लाइड साइंस की विभागाध्यक्ष डा. कंचन एल. सिंह ने उपस्थित गणमान्यों तथा विद्यार्थियों का धन्यवाद किया। उन्होंने मार्गदर्शन तथा सहयोग के लिए प्रि. डा. मनोज कुमार का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा. सैनी नवल, गौरव धूरिया, प्रवीण कक्कड़ आदि शामिल हुए।

Dr. Kanchan L. Singh
Convener
D.A.V. Institute of Engg. & Technology,
Kabir Nagar, JALANDHAR.

Principal
D.A.V. Institute of Engineering & Technology
Kabir Nagar, Jalandhar-144008